भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 607
बुधवार, 6 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

सुनामी से निपटने की तैयारी

†607. श्री श्याम सिंह यादव :

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत द्वारा देश के पूर्वी तट पर सुनामी से निपटने की तैयारियों के वर्तमान स्तर का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार द्वारा पूर्वी तट को सुनामी रोधी बनाने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इसके लिए कोई प्रणाली या सॉफ्टवेयर विकसित किया जा रहा है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) भारतीय सुनामी पूर्व चेतावनी केंद्र (ITEWC) की स्थापना वर्ष 2007 में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्तशासी संस्थान भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (इंकॉइस) में वर्ष 2004 की हिंद महासागर सुनामी के बाद की गई थी। यह केंद्र चौबीसों घंटे सभी दिवसों पर कार्यरत रहता है, और भारत के सभी तटवर्ती क्षेत्रों समेत भारत के पूर्वी तट के लिए चेतावनियां प्रदान करता है। पूर्व चेतावनी सेवाओं के अतिरिक्त, इंकॉइस का चेतावनी केंद्र भारत के तटवर्ती राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों हेतु नियमित कार्यशालाओं, प्रशिक्षण, सेमिनार तथा सुनामी मॉक ड्रिल (पूर्व चेतावनी प्रणाली की सुदृढ़ता सुनिश्चित करने के लिए) के माध्यम से हितधारकों की क्षमताएं एवं तैयारी निर्मित कर रहा है। इंकॉइस लीफलेट, लघु फिल्म (प्रादेशिक भाषाओं में) आदि जैसी जागरुकता सामग्रियाँ भी प्रदान करता है। भारत के पूर्वी तट के हितधारक इंकॉइस द्वारा संचालित किए जाने वाले सुनामी तैयारी संबंधी सभी नियमित कार्यशालाओं, प्रशिक्षण एवं सुनामी मॉक ड्रिल में सहभागिता करते हैं।

(ख) सुनामी को रोका नहीं जा सकता, परंतु सही समय पर चेतावनी, सामुदायिक जागरुकता तथा तैयारी, तत्काल प्रतिक्रिया के माध्यम से उनके प्रभाव को कम किया जा सकता है। इंकॉइस ने भारत के पूर्वी तट पर सुनामी जागरुकता तथा तैयारी संबंधी लगभग 15 कार्यशालाएं / प्रशिक्षण संचालित किए हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (NDMA) के समन्वयन में इंकॉइस ने भारत के पूर्वी तट के लिए 12 सुनामी एक्सरसाइज (मॉक ड्रिल) संचालित किए हैं। हाल ही में अक्टूबर 2023 में संचालित की गई सुनामी मॉक एक्सरसाइज IOWave23 सुनामी तैयारी का एक उत्कृष्ट उदाहरण था, जिसमें 40,000 से अधिक लोगों ने सहभागिता की, तथा उन्हें भारत के पूर्वी तट से अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर सुरक्षित पहुंचाया गया। सामुदायिक तैयारी बेहतर बनाने के लिए इंकॉइस UNESCO-IOC "सुनामीरेडी" पहल के क्रियान्वयन का समन्वयन भी कर रहा है। यह स्वैच्छिक समुदाय-आधारित कार्यक्रम आम जनता, सामुदायिक नेतृत्वकर्ताओं, तथा स्थानीय एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसियो के सक्रिय सहयोग से सुनामी तैयारी को सुगम बनाता है। इंकॉइस ने UNESCO-IOC द्वारा सुनामी तैयारी समुदायों के रूप में वेंकटरायपुर तथा नोलियाशाही गांवों को सफलतापूर्वक मान्यता दिलाने में ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (OSDMA) की सहायता की। भारत इस क्षमता को हासिल करने वाला हिंद महासागर क्षेत्र में प्रथम देश है।

(ग) एवं (घ) जी हां। सुनामी की पूर्व चेतावनी के मल्टीमोड प्रसार एवं भूकंप निगरानी हेतु आवश्यक सॉफ्टवेयर इंकॉइस, हैदराबाद के पास पहले से ही है। इंकॉइस ने सुनामी पूर्व चेतानी सूचना के प्रभावी प्रसार हेतु स्वचालित रूप से चेतावनियां सृजित एवं प्रसारित करने के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली सॉफ्टवेयर भी विकसित किया है, इंकॉइस ने NDMA कॉमन अलर्ट प्रोटोकॉल (CAP) का इंटरफेस विकसित किया है, तथा "SAMUDRA – स्मार्ट एक्सेस टू मैरीन यूजर्स फॉर ओशन डेटा रिसोर्सेज एंड एडवाइजरीज" नामक इंकॉइस मोबाइल एप्लिकेशन भी विकसित किया है।

*****